O/C

प्रति,

दिनांक – 12/02/2024

श्रीमान् राहुल गांधी जी
सांसद,
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
भारत जोड़ो न्याय यात्रा कैम्प शिवनगर
जिला–~~सरगुजा~~ सुरजपुर (छ0ग0)

विषयः– हम सभी खदान प्रभावित आदिवासियों के मांग पर विनम्रतापूर्वक विचार कर खदान के संचालन में सहयोग प्रदान करने बावत्।

महोदय,

निवेदन है कि सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखण्ड के एकमात्र कोल परियोजना परसा ईस्ट केते बासेन विगत 12 वर्षो से संचालित है जिससे हम हजारों आदिवासियों की रोजी–रोटी चलती है। ज्ञात हो कि इससे पूर्व हम खदान प्रभावित आदिवासियों द्वारा 10.12.2021 एवं 14.06.2022 को पत्र के माध्यम से माननीय महोदय जी को लगातार अवगत कराते रहे हैं इस सन्दर्भ में अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है इसके अलावा प्रदेश एवं देश के आपके पार्टी के अन्य नेताओं को आवेदन दिया जा चुका है। इस आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में हम लोगों के जीविका का एकमात्र साधन यह कोल परियोजना है। हम सभी ग्रामवासी आपसी सहमति से निजी भूमि देकर इस परियोजना को 12 साल पूर्व खोलवाये है। इस परियोजना के आने से हम आदिवासियों के जीवन स्तर में दिनों दिन निरन्तर आर्थिक क्षेत्र में उन्नति हो रही है। हम आदिवासी लोग चाहते हैं कि हमारे बच्चे भी पढ़ लिखकर इंजीनियर, डांक्टर व उच्च पदों पर आई एस, आईपीएस बनें। पूर्व में हम लोग गोदी खोदकर मजदूरी कर किसी प्रकार से जीवन यापन करते थे जिस कारण अपने बच्चों को उच्च स्तर की शिक्षा नही दे पा रहे थे जिससे हमारे बच्चे का भविष्य अंधकारमय हो गया था ।

परियोजना के आने के कारण क्षेत्र के हजारों लोगों की रोजी रोटी रोजगार से चलती है। परियोजना द्वारा इस क्षेत्र के बच्चों को निःशुल्क सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम स्कूल कक्षा–12 तक पढ़ाई करवाने के साथ–साथ स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराया जा रहा है तथा परियोजना प्रभावित क्षेत्र के दर्जनों स्वसहायता समूह के सैकड़ों महिलाओं को महिला उद्यमी स्वसहायता समूह के माध्यम से जीविकोपार्जन का कार्य कर रहे है। जिससे हम लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। कुछ एनजीओ चाहते है कि हम आदिवासी चार, महुआ, तेंदू बिनकर एवं शराब बेंचकर अपना जीवन यापन करते रहे एवं विकास की मुख्य धारा से दूर रहें। जब कि हम आदिवासियों की यह मन्शा है कि हमारे बच्चे भी इंजीनियर एवं डाक्टर की पढ़ाई कर इंजीनियर डाक्टर बनें तथा अपने व अपने परिवार की उन्नति कर सके।

यहां खदान खुलने से पूर्व हम लोगों को रोजगार मजदूरी के लिए दूसरे राज्य पर जाना पड़ता था लेकिन कुछ बाहरी तत्वों के द्वारा सीधे साधे भोले भाले आदिवासियों को अज्ञानता के कारण बहलाकर जबरन हसदेव के नाम पर विरोध कराया जा रहा है और सिर्फ एकपक्षीय बातो

को बाहरी लोगों के द्वारा बताया जाता है जब कि स्थानीय लोगों का इस परियोजना से कोई विरोध नही है। विरोध के नाम पर केवल बाहरी लोग संख्या बल के साथ आते है। ये लोग हम आदिवासियों के विकास में बड़ी बाधा बनकर हम लोगों को आगे बढ़ने से रोक रहे है। पेंड़ों की कटाई के नाम पर भी इन लोगो के द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है जो कि समस्त राज्य एवं केन्द्र सरकार के वैधानिक कार्यवाही पूर्ण होने के बाद खदान का संचालन किया जा रहा है। विगत 12 वर्षो में लगभग 93 हजार पेंड़ों की कटाई हुई है जब कि ओपन कास्ट माइन्स का समतलीकरण कर 11.50 लाख सभी प्रजाति के पौधे लगाये गये हैं जो आज जंगल का रूप धारण कर चुका है। इसके अलावा वैकल्पिक वृक्षारोपण के माध्यम से 3700 हेक्टेयर भूमि पर वन विभाग के द्वारा लगभग 40 लाख पेंड़ लगाये गये है जिससे किसी प्रकार का पर्यावरण का नुकसान नही हो रहा है। पर्यावरण का संतुलन पूर्ववत बना हुआ है। इस खदान के संचालन से प्रदेश के विकास के लिए 12 वर्षो में लगभग 10 हजार करोड़ रू0 शासन को राजस्व के रूप में प्राप्त हुआ है। इसके अलावा राजस्थान प्रदेशवासियों को यहां के कोयला से बिजली प्राप्त हो रही है साथ ही परसा कोल ब्लाक अधिग्रहण की प्रकिया पूर्ण हो चुकी है। हम अधिकांश भूमिस्वामी मुआवजा प्राप्त कर रोजगार प्राप्त करने हेतु विगत दो वर्षो से इंतजार कर रहे है लेकिन हमारे रोजगार नौकरी में कुछ विरोधी बाहरी तत्व बाधा बने हुये है।

अतः आदरणीय राहुल गांधी जी से हम आदिवासियों का विनम्र अनुरोध है कि हम लोगों की सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा एवं स्वास्थ्य तथा रोजगार के लिए आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में संचालित परसा ईस्ट केते बासेन एवं परसा कोल ब्लाक को सुचारू रूप से संचालन करने में सहयोग प्रदान करने की कृपा करें ताकि हम आदिवासियों का उत्तरोत्तर उन्नति हो सके। हम क्षेत्रवासी आपके आभारी रहेंगे।

संलग्न :– पूर्व में प्रस्तुत आवेदन की छायाप्रति।

आवेदक

समस्त कोल परियोजना प्रभावित ग्रामवासी

P.T.O.

कृष्णा प्रसाद रत्नाम - कैत बोलत - [signature]

राहुल दास - साक्षी - [signature]

देवनंदन सिंह - साक्षी - देवनंदन सिंह

चन्द्रभान - साक्षी - चन्द्रभान

ठाकुर राम - साक्षी - ठाकुर राम

काशीराम - कैत - काशीराम

रतन दास - साक्षी - रतनदास

अर्जुन लाल पोर्ते - साक्षी - Arjun

अनरूप दास - साक्षी - अनुरूप

मोहन सिंह पोर्ते साक्षी - [signature]